॥ ॐ ॥

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

प्रधान कार्यालय : डॉ. हेडगेवार भवन, महाल नागपुर. 440 032

दूरभाष : 0712 – 2723003. Email- sachivalay@sanghngp.org

सरसंघचालक : मोहन भागवत

सरकार्यवाह : दत्तात्रेय होसबाले

आश्विन शु. 13, युगाब्द 5128

11.10.2026

गौडीय वैष्णव सम्प्रदाय के प्रवर्तक, संकीर्तन आंदोलन के प्रणेता कृष्णावतार चैतन्य महाप्रभु के दर्शन में 'अचिंत्य भेदाभेद तत्व' सिद्धांत का प्रतिपादन किया है। अग्नि और उसकी चिनगारी का उदाहरण देते हुए जीव भगवान से भिन्न भी है और अभिन्न भी है, इसे सरल शब्दों में समझाया गया है।

श्री कृष्णावतार चैतन्य महाप्रभु द्वारा प्रदर्शित रहस्यपूर्ण ज्ञान को कविवर्य डॉ. यतेंद्र शर्मा जी ने अपनी रचना 'जगन्नाथ महात्म्य' में अत्यंत सटीक शब्दों में पाठकों के लिए प्रस्तुत किया है। समाज में जाति-पाति और उंच-नीच के भेद को मिटाकर श्री चैतन्य महाप्रभु जी ने हरे कृष्ण महामंत्र के संकीर्तन, सामूहिक भजन, नृत्य शैली को घर घर पहुंचाया। कलियुग में भगवान श्रीकृष्ण के पवित्र नामों का किर्तन ही मुक्ति और आत्मसाक्षात्कार का प्रभावी साधन है - यह सार इस काव्यग्रंथ में सुंदर पद्धति से आया है।

आर्ष और आंग्ल विद्यालंकार, यशस्वी उद्योजक, सनातन धर्म एवं भारतीय सभ्यता, संस्कृति के पुरोधा, आध्यात्मिक साहित्य के सृजनकर्ता कविवर्य डॉ. यतेंद्र शर्मा द्वारा रचित श्री जगन्नाथ रथयात्रा एवं श्री जगन्नाथ महात्म्य का प्रकाशन यह अतीव आनंद व प्रसन्नता का शुभ समाचार है। डॉ. यतेंद्र शर्मा जी की जडे भारत भूमि की आध्यात्मिक धरोहर से प्रस्फुटित होकर शब्द रुप रसवंती के द्वारा सुदूर ऑस्ट्रेलिया में सनातन धर्म की विजय पताका 'राम कथा संस्थान, पर्थ' द्वारा अपने साहित्य कृति से जनमानस तक उच्चतम आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करने की अनोखी पहल है। जगत के नाथ, पालक, जगत के कल्याण में सदैव रत जगन्नाथ रथयात्रा एवं जगन्नाथ महात्म्य का सृजन ईश्वरीय कार्य योजना का ही प्रसाद माना जा सकता है।

काव्य संग्रह के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु मंगल कामनाएं।

मोहन भागवत